International Journal of Humanities and Social Science Research
www.socialsciencejournal.in
ISSN: 2455-2070
Received: 12-05-2026, Accepted: 12-06-2026, Published: 27-06-2026
Volume 12, Issue 2, 2026, Page No. 380-384

गरियाबंद जिले की अनुसूचित जाति बालिकाओं के शिक्षा स्तर का अध्ययन

डेमेश्वरी लहरे[1], डॉ. के एन गजपाल[2]
[1] प्रगति महाविद्यालय, चौबे कालोनी रायपुर, छत्तीसगढ, भारत
[2] शोध निर्देशक, विभागाध्यक्ष (शिक्षा संकाय), प्रगति महाविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ, भारत
DOI: https://doi.org/10.66856/ijhssr.2026.12.2.12225

सारांश
शिक्षा किसी भी समाज के विकास का प्रमुख आधार है। अनुसूचित जाति वर्ग भारतीय समाज का एक महत्वपूर्ण किन्तु सामाजिक एवं आर्थिक दृष्टि से पिछड़ा वर्ग है। विशेष रूप से अनुसूचित जाति बालिकाएँ अनेक सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षिक समस्याओं का सामना करती हैं। प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य गरियाबंद जिले की अनुसूचित जाति बालिकाओं के शिक्षा स्तर, शैक्षिक उपलब्धि, सामाजिक एवं आर्थिक कारकों तथा शिक्षा में आने वाली बाधाओं का अध्ययन करना है। अध्ययन में वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया। गरियाबंद जिले के पाँच गाँवों से कुल 100 अनुसूचित जाति बालिकाओं का चयन किया गया। तथ्य संकलन हेतु प्रश्नावली का उपयोग किया गया तथा आँकड़ों का विश्लेषण प्रतिशत एवं काई–वर्ग (Chi-Square) विधि द्वारा किया गया। अध्ययन में पाया गया कि अनुसूचित जाति बालिकाओं का शिक्षा स्तर पूर्णतः संतोषजनक नहीं है तथा आर्थिक एवं सामाजिक कारक उनकी शिक्षा को प्रभावित करते हैं। अध्ययन के आधार पर विभिन्न सुझाव प्रस्तुत किए गए हैं।

मुख्य शब्दः अनुसूचित जाति, बालिका शिक्षा, शैक्षिक उपलब्धि, सामाजिक कारक, आर्थिक कारक

शिक्षा मानव जीवन का आधार है। शिक्षा व्यक्ति के बौद्धिक, सामाजिक, आर्थिक एवं नैतिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। किसी भी राष्ट्र की उन्नति उसके नागरिकों के शैक्षिक स्तर पर निर्भर करती है। विशेष रूप से बालिका शिक्षा समाज के समग्र विकास का आधार मानी जाती है।
भारतीय संविधान ने सभी नागरिकों को शिक्षा का समान अधिकार प्रदान किया है, किन्तु आज भी अनुसूचित जाति वर्ग की बालिकाएँ शैक्षिक दृष्टि से पिछड़ी हुई हैं। सामाजिक असमानता, आर्थिक कमजोरी, अभिभावकों की अशिक्षा तथा सामाजिक रूढ़ियाँ बालिका शिक्षा में प्रमुख बाधक हैं।
गरियाबंद जिला मुख्यतः ग्रामीण क्षेत्र है, जहाँ अनुसूचित जाति परिवारों की आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति अपेक्षाकृत कमजोर है। ऐसी परिस्थितियों में बालिकाओं की शिक्षा का अध्ययन अत्यंत आवश्यक हो जाता है। यह अध्ययन अनुसूचित जाति बालिकाओं की वास्तविक शैक्षिक स्थिति तथा शिक्षा को प्रभावित करने वाले कारकों को समझने का प्रयास है।

अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्व

1. अनुसूचित जाति बालिकाओं की शैक्षिक स्थिति का वास्तविक मूल्यांकन होगा।
2. शिक्षा में आने वाली सामाजिक एवं आर्थिक बाधाओं की पहचान होगी।
3. बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करने हेतु उपयोगी सुझाव प्राप्त होंगे।
4. नीति निर्माताओं एवं शिक्षाविदों को उपयोगी जानकारी प्राप्त होगी।
5. अनुसूचित जाति बालिकाओं की शिक्षा से संबंधित भविष्य के अनुसंधानों हेतु आधार उपलब्ध होगा।

समस्या का कथन

"गरियाबंद जिले की अनुसूचित जाति बालिकाओं के शिक्षा स्तर का अध्ययन"

अध्ययन का उद्देश्य

- गरियाबंद जिले की अनुसूचित जाति बालिकाओं के शिक्षा स्तर का अध्ययन करना।
- अनुसूचित जाति बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन करना।

अध्ययन के शोध प्रश्न

- गरियाबंद जिले की अनुसूचित जाति बालिकाओं का शिक्षा स्तर संतोषजनक नहीं है क्या?
- क्या अनुसूचित जाति बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि निम्न स्तर की है?

अध्ययन की परिसीमा

1. प्रस्तुत अध्ययन केवल गरियाबंद जिले के चयनित पाँच गाँवों तक सीमित है। अतः इसके निष्कर्ष संपूर्ण जिले अथवा राज्य पर पूर्ण रूप से लागू नहीं किए जा सकते।
2. अध्ययन केवल अनुसूचित जाति वर्ग की बालिकाओं तक सीमित है। अन्य जातियों अथवा बालकों को अध्ययन में सम्मिलित नहीं किया गया है।
3. अध्ययन हेतु प्रत्येक गाँव से 20–20 बालिकाओं का चयन किया गया है, जिससे कुल न्यादर्श 100 बालिकाओं तक सीमित रहा।
4. अध्ययन सीमित समयावधि एवं उपलब्ध संसाधनों के अंतर्गत किया गया है, जिसके कारण व्यापक क्षेत्र को शामिल करना संभव नहीं हो सका।

शोध प्रविधि

प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध में ''गरियाबंद जिला के अंतर्गत अनुसूचित जाति की बालिकाओं के शिक्षा के स्तर का अध्ययन'' करना है। अतः प्रस्तुत लघु शोध के आधार पर प्रदत्तों के संकलन हेतु सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया है।

न्यादर्श

सारणी 1: न्यादर्श का आकार

ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालय	शहरी क्षेत्र के विद्यालय	कुल संख्या
50 बालिका	50 बालिका	100 विद्यार्थी

चर

अध्ययन के प्रमुख चर

अतः प्रस्तुत अध्ययन में शिक्षा स्तर को आश्रित चर तथा सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षिक कारकों को स्वतंत्र चर के रूप में सम्मिलित किया गया है।

उपकरण

प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध में शोधकर्ता द्वारा निर्मित उपकरण साक्षात्कार अनुसूची का प्रयोग किया गया है।

सांख्यिकीय विश्लेषण

सांख्यिकीय अभिप्रयोग

संबंधित लघु शोध प्रबंध के लिए निम्न सांख्यिकीय सूत्री का प्रयोग कर गणना की गयी है :–

सूत्र :– $X^2 = \Sigma \frac{(f_o - f_e)^2}{f_e}$

यहां –

x^2= काई वर्ग परीक्षण

Σ= योग

f_o= प्रेक्षित आवृत्तियां

f_e= प्रत्याशित आवृत्ति

शोध प्रश्नों का विवेचन एवं परिणाम

शोध प्रश्न क्रमांक 1

"गरियाबंद जिले की अनुसूचित जाति बालिकाओं का शिक्षा स्तर संतोषजनक नहीं है क्या?

सारणी 2: अनुसूचित जाति बालिकाओं का शिक्षा स्तर का सहमत, तटस्थ, असहमत, कुल संख्या, काई वर्ग एवं सार्थकता दर्शाने वाली सारणी

प्रश्न क्रं.	सहमत	तटस्थ	असहमत	N	X^2	सार्थक/सार्थक नहीं
1	90	4	6	100	144.5745	.01 स्तर पर सार्थक
2	95	2	3	100	171.1571	.01 स्तर पर सार्थक
3	71	6	23	100	68.18682	.01 स्तर पर सार्थक
4	85	2	13	100	121.9522	.01 स्तर पर सार्थक
5	45	46	9	100	26.66267	.01 स्तर पर सार्थक
6	83	12	5	100	111.7512	.01 स्तर पर सार्थक

व्याख्या

शोध प्रश्न क्रमांक 1 में कुल 5 उप प्रश्नों को शामिल किया गया है जिनका विवरण निम्न प्रकार से है :–

प्रश्न क्रमांक 1 मुझे नियमित रूप से विद्यालय जाने में कठिनाई होती है

व्याख्या

इस प्रश्न हेतु 100 बालिकाओं का अभिमत लिया गया। जिसमें 90 बालिकाओं ने अपनी सहमति तथा 4 बालिकाओं ने तटस्थता व 6 बालिकाओं ने असहमति प्रकट की है। 2df के लिए .05 स्तर पर काई वर्ग का टेबल मूल्य 5.99 तथा .01 स्तर पर काई वर्ग का टेबल मूल्य 9.21 होता है। यदि काई वर्ग का गणना मूल्य टेबल मूल्य से अधिक हो तो अन्तर सार्थक होता है। बालिकाओं के सहमति, असहमति तथा तटस्थता में अन्तर की सार्थकता के लिए काई वर्ग की गणना की गई जो 144.57 प्राप्त हुआ है, जो 0.01 स्तर पर सार्थक है।

प्रश्न क्रमांक 2 विद्यालय में पढ़ाई का स्तर संतोषजनक नहीं है

व्याख्या

प्रश्न 2 के अभिमत में 95 प्रशिक्षार्थियों की सहमति तथा 2 प्रशिक्षार्थी तटस्थ तथा 3 प्रशिक्षार्थी असहमत थे। सहमति, तटस्थता एवं असहमति में अंतर की सार्थकता के लिए X^2 गणना की गई जिसका मान 171.16 प्राप्त हुआ है जो .01 स्तर पर सार्थक है।

प्रश्न क्रमांक 3 मुझे पढ़ाई के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल पाता

व्याख्या

प्रश्न 3 के अभिमत में 71 प्रशिक्षार्थियों की सहमति तथा 6 प्रशिक्षार्थी तटस्थ तथा 23 प्रशिक्षार्थी असहमत थे। सहमति, तटस्थता एवं असहमति में अंतर की सार्थकता के लिए X^2 गणना की गई जिसका मान 68.19 प्राप्त हुआ है जो .01 स्तर पर सार्थक है।

प्रश्न क्रमांक 4 विद्यालय में अध्ययन हेतु आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध नहीं है

व्याख्या

प्रश्न 4 के अभिमत में 85 प्रशिक्षार्थियों की सहमति तथा 2 प्रशिक्षार्थी तटस्थ तथा 13 प्रशिक्षार्थी असहमत थे। सहमति, तटस्थता एवं असहमति में अंतर की सार्थकता के लिए X^2 गणना की गई जिसका मान 121.95 प्राप्त हुआ है जो .01 स्तर पर सार्थक है।

प्रश्न क्रमांक 5 मैं अपनी पढ़ाई से संतुष्ट नहीं हूँ

व्याख्या

प्रश्न 2 के अभिमत में 45 प्रशिक्षार्थियों की सहमति तथा 46 प्रशिक्षार्थी तटस्थ तथा 9 प्रशिक्षार्थी असहमत थे। सहमति, तटस्थता एवं असहमति में अंतर की सार्थकता के लिए X^2 गणना की गई जिसका मान 26.66 प्राप्त हुआ है जो .01 स्तर पर सार्थक है।

प्रश्न क्रमांक 6 विद्यालय की दूरी मेरी पढ़ाई को प्रभावित करती है

व्याख्या

प्रश्न 2 के अभिमत में 83 प्रशिक्षार्थियों की सहमति तथा 12 प्रशिक्षार्थी तटस्थ तथा 5 प्रशिक्षार्थी असहमत थे। सहमति, तटस्थता एवं असहमति में अंतर की सार्थकता के लिए X^2 गणना की गई जिसका मान 111.75 प्राप्त हुआ है जो .01 स्तर पर सार्थक है।

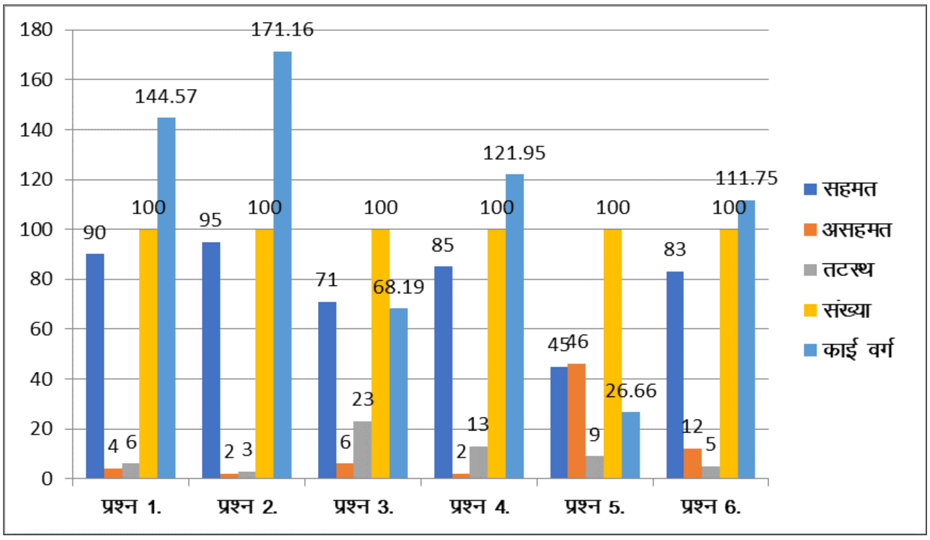

आरेख 1: अनुसूचित जाति बालिकाओं का शिक्षा स्तर का सहमत, असहमत, एवं तटस्थ कुल संख्या एवं काई वर्ग दर्शाने वाला आरेख

शोध प्रश्न क्रमांक 2
"क्या अनुसूचित जाति बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि निम्न स्तर की है?"

सारणी क्रमांक 3: अनुसूचित जाति बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि निम्न स्तर का सहमत, तटस्थ, असहमत, कुल संख्या, काई वर्ग एवं सार्थकता दर्शाने वाली सारणी

प्रश्न क्रं.	सहमत	तटस्थ	असहमत	N	X^2	सार्थक/सार्थक नहीं
1	71	14	15	100	63.87	.01 स्तर पर सार्थक
2	25	36	39	100	3.26	.01 स्तर पर सार्थक नहीं है
3	100	0	0	100	188.20	.01 स्तर पर सार्थक
4	68	9	23	100	57.03	.01 स्तर पर सार्थक
5	58	26	16	100	28.88	.01 स्तर पर सार्थक
6	63	20	17	100	39.74	.01 स्तर पर सार्थक

व्याख्या
शोध प्रश्न क्रमांक 2 में कुल 6 उपप्रश्नों को शामिल किया गया है जिनका विवरण निम्न प्रकार से है :–

प्रश्न क्रमांक 1 परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने में कठिनाई होती है
व्याख्या
इस प्रश्न हेतु 100 बालिकाओं का अभिमत लिया गया। जिसमें 71 बालिकाओं ने अपनी सहमति तथा 14 बालिकाओं ने तटस्थता व 15 बालिकाओं ने असहमति प्रकट की है। 2df के लिए .05 स्तर पर काई वर्ग का टेबल मूल्य 5.99 तथा .01 स्तर पर काई वर्ग का टेबल मूल्य 9.21 होता है। यदि काई वर्ग का गणना मूल्य टेबल मूल्य से अधिक हो तो अन्तर सार्थक होता है। बालिकाओं के सहमति, असहमति तथा तटस्थता में अन्तर की सार्थकता के लिए काई वर्ग की गणना की गई जो 63.87 प्राप्त हुआ है, जो 0.01 स्तर पर सार्थक है।

प्रश्न क्रमांक 2 पढ़ाई में मेरी रुचि कम है
व्याख्या
प्रश्न 2 के अभिमत में 25 प्रशिक्षार्थियों की सहमति तथा 36 प्रशिक्षार्थी तटस्थ तथा 39 प्रशिक्षार्थी असहमत थे। सहमति, तटस्थता एवं असहमति में अंतर की सार्थकता के लिए X^2 गणना की गई जिसका मान 3.26 प्राप्त हुआ है जो .01 स्तर पर सार्थक नहीं है।

प्रश्न क्रमांक 3 मुझे शिक्षकों से पर्याप्त शैक्षणिक सहायता नहीं मिलती
व्याख्या
प्रश्न 3 के अभिमत में 98 प्रशिक्षार्थियों की सहमति 1 तथा 1 प्रशिक्षार्थी असहमत थे। सहमति, तटस्थता एवं असहमति में अंतर की सार्थकता के लिए X^2 गणना की गई जिसका मान 188.20 प्राप्त हुआ है जो .01 स्तर पर सार्थक है।

प्रश्न क्रमांक 4 अध्ययन सामग्री की कमी मेरी उपलब्धि को प्रभावित करती है
व्याख्या
प्रश्न 4 के अभिमत में 68 प्रशिक्षार्थियों की सहमति तथा 9 प्रशिक्षार्थी तटस्थ तथा 23 प्रशिक्षार्थी असहमत थे। सहमति, तटस्थता एवं असहमति में अंतर की सार्थकता के लिए X^2 गणना की गई जिसका मान 57.03 प्राप्त हुआ है जो .01 स्तर पर सार्थक नहीं है।

प्रश्न क्रमांक 5 घरेलू कार्यों के कारण पढ़ाई प्रभावित होती है
व्याख्या
प्रश्न 5 के अभिमत में 58 प्रशिक्षार्थियों की सहमति तथा 26 प्रशिक्षार्थी तटस्थ तथा 16 प्रशिक्षार्थी असहमत थे। सहमति, तटस्थता एवं असहमति में अंतर की सार्थकता के लिए X^2 गणना की गई जिसका मान 28.88 प्राप्त हुआ है जो .01 स्तर पर सार्थक नहीं है।

प्रश्न क्रमांक 6 मैं कक्षा में पढ़ाए गए विषयों को आसानी से समझ नहीं पाती
व्याख्या
प्रश्न 6 के अभिमत में 63 प्रशिक्षार्थियों की सहमति तथा 20 प्रशिक्षार्थी तटस्थ तथा 17 प्रशिक्षार्थी असहमत थे। सहमति, तटस्थता एवं असहमति में अंतर की सार्थकता के लिए X^2 गणना की गई जिसका मान 39.74 प्राप्त हुआ है जो .01 स्तर पर सार्थक नहीं है।

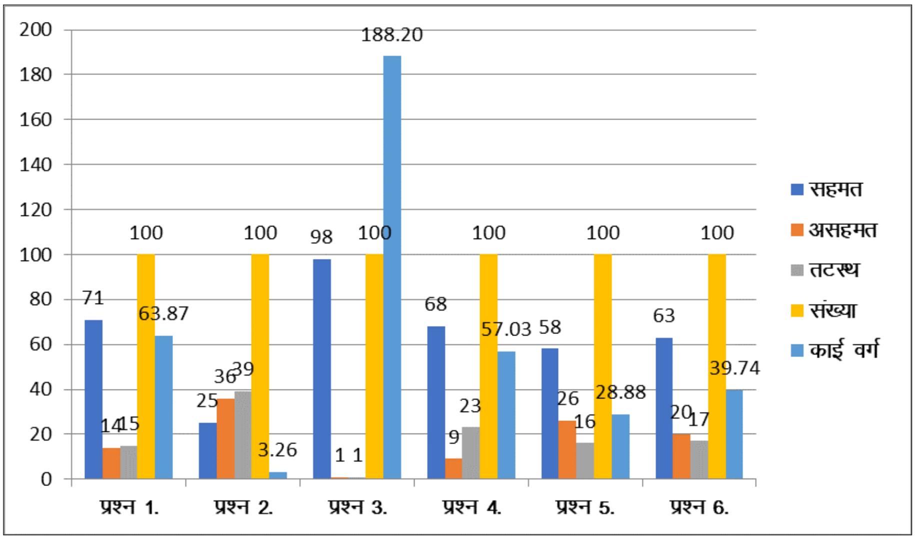

आरेख क्रमांक 2: अनुसूचित जाति बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि को सशक्त का सहमत, असहमत, एवं तटस्थ कुल संख्या एवं काई वर्ग दर्शाने वाला आरेख

प्रमुख निष्कर्ष

1. अनुसूचित जाति बालिकाओं का शिक्षा स्तर संतोषजनक नहीं पाया गया।
2. शैक्षिक उपलब्धि अपेक्षाकृत निम्न स्तर की पाई गई।
3. आर्थिक स्थिति शिक्षा को प्रभावित करने वाला प्रमुख कारक है।
4. अभिभावकों की अशिक्षा बालिका शिक्षा में बाधक है।
5. गरीबी एवं सामाजिक परंपराएँ शिक्षा को प्रभावित करती हैं।
6. विद्यालयीय सुविधाओं का अभाव पाया गया।
7. छात्रवृत्ति योजनाओं का लाभ सभी बालिकाओं तक नहीं पहुँचता।
8. अभिभावकों की अभिवृत्ति आंशिक रूप से सकारात्मक है।
9. सामाजिक एवं आर्थिक बाधाएँ प्रमुख अवरोध हैं।
10. जागरूकता की कमी बालिका शिक्षा को प्रभावित करती है।

सुझाव

1. बालिका शिक्षा हेतु विशेष जागरूकता अभियान चलाए जाएँ।
2. छात्रवृत्ति योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जाए।
3. विद्यालयों में मूलभूत सुविधाएँ विकसित की जाएँ।
4. आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को सहायता प्रदान की जाए।
5. बाल विवाह एवं लैंगिक भेदभाव पर नियंत्रण किया जाए।
6. अभिभावकों को बालिका शिक्षा के महत्व से अवगत कराया जाए।
7. डिजिटल शिक्षा संसाधनों की उपलब्धता बढ़ाई जाए।

अनुकरणीय अध्ययन

1. अन्य जिलों में इसी प्रकार का अध्ययन।
2. अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति बालिकाओं का तुलनात्मक अध्ययन।
3. ग्रामीण एवं शहरी बालिकाओं का तुलनात्मक अध्ययन।
4. डिजिटल शिक्षा के प्रभाव का अध्ययन।
5. बालिका शिक्षा एवं आत्मविश्वास के संबंध का अध्ययन।

संदर्भ

1. लेविन कीथ, के. एम. (2011). उप–सहारा अफ्रीका में शिक्षा तक पहुँचः प्रतिरूप, समस्याएँ एवं संभावनाएँ। कम्पेरेटिव एजुकेशन, 47(1), 37–52। https://doi-org/10-1080@03050068-2011-54167
2. गुप्ता, एन. (2017). शिक्षा और जाति व्यवस्था. इंडियन सोशियोलॉजिकल रिव्यू, 6(2), 120–130।
3. आनंद, एम. आर. (2006). भारत में दलित शिक्षाः समस्याएँ और चुनौतियाँ. जर्नल ऑफ एजुकेशनल स्टडीज, 54(2), 120–135।
4. नंबीसन, जी. बी. (2009). विद्यालयों में बहिष्कार और भेदभाव. इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, 44(51), 99–107।
5. जेफरी, आर., एवं जेफरी, पी. (2004). ग्रामीण उत्तर भारत में शिक्षा और लैंगिकता. कम्पेरेटिव एजुकेशन, 40(2), 159–178।
6. चंद्रा, आर. (2016). अभिभावकों की शिक्षा का बच्चों पर प्रभाव. जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड प्रैक्टिस, 7(5), 45–50।
7. श्वेता, एस. (2018). ग्रामीण भारत में बालिका शिक्षा को प्रभावित करने वाले कारक. नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी।
8. वर्मा, एस. (2013). बालिकाओं में स्कूल छोड़ने की समस्या. जर्नल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च, 7(3), 90–98।
9. वॉकर मेलानी, एम. (2011). माध्यमिक शिक्षा में विद्यार्थियों के अनुभव, आकांक्षाएँ एवं क्षमताएँ। ब्रिटिश एजुकेशनल रिसर्च जर्नल, 37(6), 1073–1089। https://doi-org/10-1080@01411926-2010-524205
10. दास, पी. (2018). समावेशी शिक्षा. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंक्लूसिव एजुकेशन, 22(5), 567–580।
11. पटेल, एम. (2015). गरीबी का शिक्षा पर प्रभाव. जर्नल ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज, 8(4), 78–85।
12. भगवतीश्वरन, एल., नायर, एस., स्टोन, एच., इसाक, एस., हायरमथ, टी., एवं राघवेंद्र, टी. (2016). भारत में अनुसूचित जाति एवं जनजाति बालिकाओं की शिक्षा में बाधाएँ और सहायक कारक. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशनल डेवलपमेंट, 46, 1–10।
13. तिवारी, एस. (2016). भारत में ग्रामीण शिक्षा. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशन, 5(3), 56–62।
14. सिंह, ए. (2014). निजी और सरकारी स्कूलों के बीच उपलब्धि अंतर. ऑक्सफोर्ड रिव्यू ऑफ एजुकेशन, 40(1), 69–90।
15. थोराट, एस., एवं न्यूमैन, के. (2010). जाति द्वारा अवरुद्धः आधुनिक भारत में आर्थिक भेदभाव. ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।

16. किंगडन, जी. जी. (2007). भारत में विद्यालयी शिक्षा की प्रगति. ऑक्सफोर्ड रिव्यू ऑफ इकोनॉमिक पॉलिसी, 23(2), 168–195।
17. मीना, आर. (2017). भारत में बालिका शिक्षा. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च, 4(7), 112–118।
18. कैरल ड्वेक, सी. एस. (2016). विद्यार्थियों के अधिगम में मानसिकता एवं प्रेरणा। एजुकेशनल साइकोलॉजिस्ट, 41(2), 104–110। https://doi-org/10-1207/s15326985ep4102_3
19. कबीर, एन. (2005). लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण. जेंडर एंड डेवलपमेंट, 13(1), 13–24।
20. द्रेज, जे., एवं सेन, ए. (2013). अनिश्चित गौरवः भारत और उसके विरोधाभास. प्रिंसटन यूनिवर्सिटी प्रेस।
21. झा, जे., एवं झिंगरन, डी. (2005). सबसे गरीबों के लिए प्राथमिक शिक्षा. ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।
22. यादव, पी. (2019). सामाजिक–आर्थिक कारक और शिक्षा. एजुकेशनल रिसर्च जर्नल, 9(1), 23–30।